क्रिप्टिक करेंसी

साभार: बिजनेस लाइन
(20 सितम्बर, 2017)

मोहन आर लवी (चार्टर्ड एकाउंटेंट)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III (भारतीय अर्थव्यवस्था) से संबंधित है।

सामान्य में क्रिप्टो करेंसी पर विकास और विशेष रूप से बिटकॉइन हमेशा से सुर्खियों में रहे हैं। वे शहर में नवीनतम उत्साह का रूप बन चुके हैं और उनकी कीमतों में वृद्धि कथित तौर पर निवेश पर एक वापसी देता है, जिसमें कोई निवेश नहीं मिल सकता है। उसने कहा, बिटकॉइन भी संदिग्ध उद्देश्यों जैसे विनियमन की कमी के कारण ड्रग्स और हथियारों के तस्करी के लिए उपयोग किया जाता है।

वर्तमान में, बिटकॉइन का मूल्य 235,000 के आसपास है, जो कि कुछ साल पहले 300,000 के स्तर से कहीं अधिक कम है। जहां तक बिटकॉइन का संबंध है, भारत बिल्कुल वैसा नहीं है; भारत-विशिष्ट बिटकॉइन एक्सचेंज आ गए हैं और पूरे देश में कुछ रेस्तरां ऐसे है जो भुगतान के रूप में इन सिक्कों को स्वीकार कर रहे हैं।

बिटकॉइन में मनी लॉडरिंग और धोखाधड़ी को रोकने के लिए कुछ देशों के पास कानून हैं। लॉडरिंग के नियमों को लागू करने और क्रिप्टो करेंसी के लिए पूंजी आवश्यकताओं को लागू करने के बाद जापान ने इसे कानूनी मुद्रा ('आविष्कारक' बिटकॉइन, सतुशि नाकामोतो, एक जापानी कनेक्शन दिया है) के रूप में मान्यता दी है। पूंजी अपेक्षाओं की सहायता से सट्टा गतिविधियों के खिलाफ बफर बिटकॉइन एक्सचेंजों को सहायता मिलेगी। बिटकॉइन लेनदेन की रिपोर्टिंग के लिए लेखांकन मानक भी विकसित किए जा रहे हैं।

भारत में सामान्य बात यह है कि जो कुछ भी चीन में हो रहा है हम उससे तुलना करते है। हाल ही में, चीनी अधिकारियों ने बीजिंग स्थित क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंजों को व्यापार बंद करने का आदेश दिया है और तुरंत अपने उपयोगकर्ताओं को अपना अकाउंट बंद करने के लिए सूचित किया, जिससे वित्तीय जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए उद्योग पर अधिकारियों द्वारा विस्तृत कार्रवाई का संकेत दिया गया है। एक्सचेंजों को भी नए उपयोगकर्ता पंजीकरण की अनुमति को रोकने के लिए कहा गया था।

बिटकॉइन पर जीएसटी

भारत जीएसटी को एक आपूर्ति के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है ताकि उनकी आपूर्ति पर कर लगाने से बिटकॉइन पर उन्माद को रोक दिया जा सके। सीजीएसटी अधिनियम की धारा 7 में माल या सेवाओं की आपूर्ति के सभी प्रकार या बिक्री, हस्तांतरण, वस्तु विनिमय, विनिमय, लाइसेंस, किराया, पट्टे या निपटान के रूप में 'व्यक्तियों द्वारा किए गए विचारों के लिए तैयार किए जाने या सहमति के रूप में' आपूर्ति को परिभाषित किया गया है। पाठ्यक्रम में या व्यापार के आगे बढ़ने में क्रिप्टो करेंसी में व्यापार को शामिल करने के लिए परिभाषा काफी व्यापक है। जीएसटी एक निश्चित स्तर की पारदर्शिता की मांग करता है जिससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि केवल गंभीर खिलाड़ी ही बिटकॉइन में व्यापार कर सकेंगे।

बिटकॉइन की आपूर्ति पर जीएसटी की लेवी और बिटकॉइन पर किए गए लाभ पर आयकर निश्चित रूप से अटकलों के प्रयोजनों के लिए अपने उपयोग को रोकने के लिए निश्चित है - जोकि आज बिटिकॉइन में कुछ करने के पीछे मुख्य उद्देश्य है। अगर बिटकॉइन की अनिर्णीय पीढ़ी और आपूर्ति प्रारंभिक अवस्था में नहीं बढ़ी, तो यह अर्थव्यवस्था के विभिन्न हिस्सों में अपनी जाल फैला सकती है।

देखा जाये तो दो प्रकार के क्रिप्टो करेंसी होते हैं अर्थात फिएट और गैर- फिएट। गैर- फिएट मुद्राएं आज बड़े पैमाने पर अस्तित्व में मौजूद हैं, जबकि विधि द्वारा सरकारों द्वारा आशीर्वाद दिए जाते हैं। पूर्व में, आरबीआई क्रिप्टो करेंसी पर अपने विचारों में द्विपक्षीयता कर रही है। यह बताया गया है कि आरबीआई एक फैट क्रिप्टो मुद्राओं को विकसित करने के लिए एक परियोजना पर काम कर रहा है। इन्होने इसके लिए एक नाम भी अपनाया है अर्थात लक्ष्मी और यह एक स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि आरबीआई क्रिप्टो करेंसी के बारे में नीतियों में बेहद विवेकपूर्ण हो सकता है।

इस स्तर पर, ऐसा प्रतीत होता है कि भारत में क्रिप्टो करेंसी को विनियमित करने वाले सभी लोग आरबीआई, सीबीडीटी और जीएसटी परिषद के लिए मेज पर बैठकर एक-दूसरे से बात करेंगे। अगर यह जल्द से जल्द नहीं किया जाता है।

बिटकॉइन या 'क्रिप्टो करेंसी'

- पिछले दिनों भारत समेत दुनिया के करीब सौ देशों में इतिहास का सबसे बड़ा साइबर हमला हुआ।
- इसमें कंप्यूटर को अनलॉक करने के लिए फिरौती जिस मुद्रा में मांगी गई, वह है बिटकॉइन। इसे 'क्रिप्टो करेंसी' भी कहा जाता है।
- यह एक नई टेक्नॉलजी है, जिसका इस्तेमाल वैश्विक भुगतान के लिए किया जाता है।
- कंप्यूटर नेटवर्कों द्वारा इस मुद्रा से बिना किसी बैंक की मध्यस्थता के ट्रांजैक्शन किया जा सकता है।
- शुरुआत में कंप्यूटर पर बेहद जटिल कार्यों के बदले यह क्रिप्टो करेंसी कमाई जाती थी।
- बिटकॉइन का निर्माण कंप्यूटर एल्गोरिथम्स के जरिये होता है, जिसे माइनिंग कहते हैं। यह करेंसी सिर्फ कोड में होती है इसलिए इसे जब्त नहीं किया जा सकता।
- एक अनुमान के मुताबिक इस समय करीब डेढ़ करोड़ बिटकॉइन प्रचलन में हैं। इस डिजिटल करेंसी को डिजिटल वॉलेट में भी रखा जा सकता है।
- अभी एक बिटकॉइन की कीमत एक लाख सात हजार रुपये है। अनुमान है कि 2018 तक यह 6 लाख रुपये की हो जाएगी।
- बिटकॉइन ब्लॉक चेन मेथड का प्रयोग करता है, जिसे ट्रैक किया जा सकता है। मगर इस चेन को जिस 'डार्क वेब' पर ब्राउज किया जाता है, उसे ट्रैक करना काफी कठिन है।
- बिटकॉइन को करेंसी की मान्यता न होने के चलते इसके रिकॉर्ड्स के लिए कोई स्पष्ट नियम नहीं है।
- सतोशी नाकामोतो नामक एक सॉफ्टवेयर डेवलपर ने इसे 2008-09 में प्रचलित किया था। बिटकॉइन पूरी तरह से गुप्त करेंसी है और इसे दुनिया के किसी भी हिस्से में खरीदा या बेचा जा सकता है।
- बिटकॉइन खरीदने के लिए यूजर को 27 या 24 अंकों के कोड का पता दिया जाता है। इन वर्चुअल पतों का भी कोई रजिस्टर नहीं होता। ऐसे में बिटकॉइन रखने वाले अपनी पहचान गुप्त रख सकते हैं।
- बिटकॉइन का शुरुआती लक्ष्य कोई डिजिटल करेंसी बनाना नहीं था। इसका मुख्य उद्देश्य बिना थर्ड पार्टी या कानूनी झंझट के पैसों का लेन-देन करना था। बिटकॉइन का संचालन कंप्यूटरों के विकेंद्रीकृत नेटवर्क से किया जाता है, जहां ट्रांजैक्शन करने वालों की व्यक्तिगत जानकारियों की जरूरत नहीं होती है।
- क्रेडिट कार्ड या बैंक ट्रांजैक्शन के विपरीत इससे होने वाले ट्रांजैक्शन अपरिवर्तनीय होते हैं। यानी अदायगी के बाद पैसे वापस नहीं लिए जा सकते। अर्थात यह वन-वे ट्रैफिक होता है।
- क्रेडिट कार्ड, बैंक ट्रांसफर आदि में पैसे जहां भेजे जाते हैं, उसका आसानी से पता लगाया जा सकता है, लेकिन इसमें ऐसा संभव नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में कंप्यूटरों को 'फिरौती वायरसों' से खतरा बढ़ता जा रहा है।
- हाल में विप्रो को रासायनिक हमले की धमकी देने वाले ने भी 500 करोड़ की फिरौती बिटकॉइन में ही मांगी थी। काला धन, हवाला, ड्रग्स की खरीद-बिक्री, टैक्स चोरी और आतंकवादी गतिविधियों में बिटकॉइन का प्रयोग लगातार हो रहा है।
- बिटकॉइन दुनिया भर में मनी लॉन्ड्रिंग का सबसे सुरक्षित तरीका है। कोई भी भारत में बैठे-बैठे अपने खाते के रुपये बिटकॉइन वॉलेट में डाल सकता हैं और किसी भी टैक्स हैवन देश में जाकर उन्हें डॉलर में बदल सकता हैं।
- ऐसा नहीं है कि बिटकॉइन का प्रयोग केवल नकारात्मक कार्यों के लिए हो रहा है। स्टार्ट-अप्स को बिटकॉइन का सबसे अधिक लाभ मिल रहा है। अभी लगभग 30 लाख बिजनेसमैन इसका प्रयोग दुनिया के किसी भी देश में किसी भी मुद्रा में आसानी से भुगतान के लिए कर रहे हैं।
- कई कारोबारी बिटकॉइन में विनिमय करने पर छूट भी दे रहे हैं। लेकिन 2013 के बाद इसमें अवैध गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसका मुख्य कारण इसकी गोपनीयता है। लेकिन फिर भी इस डिजिटल करेंसी को किसी केंद्रीय बैंक का समर्थन नहीं मिला है।

संभावित प्रश्न

हाल ही में बिटकॉइन काफी चर्चा में रहा है। इससे आप क्या समझते हैं? साथ ही यह भी बताएं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में यह कहां तक प्रासंगिक है?